



प्रिंसेस श्राइन सभागार में 1 सितम्बर से होगी सप्तदिवसीय ‘श्रीराम कथा’

-व्यवस्था के संबंध में विश्वकर्मा मंदिर में हुई तैयारी बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। स्थानीय दिव्य चेतना श्रीराम कथा चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में शहर के पैलेस ग्राउंड प्रिंसेस श्राइन सभागार में आगामी 1 से 7 सितम्बर तक सप्तदिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सुप्रसिद्ध कथा वाचक राजनजी महाराज श्रीराम कथा का श्रवण करवाएंगे। इस आयोजन की व्यवस्था के संबंध में सोमवार रात को विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों की एक बैठक बिबीपेट स्थित जागिड़ समाज भवन में रखी गई जिसमें विभिन्न समाज के अनेक लोग शामिल हुए। बैठक में आयोजन को सफल बनाने व विभिन्न व्यवस्थाओं के संदर्भ में चर्चा हुई। आयोजक शैलेश मिश्रा ने श्रीराम कथा की सम्पूर्ण जानकारी देते हुए सभी उपस्थित जनों से स्वागत कमेटी में जुड़ने का आह्वान किया। इस मौके इंटरनेशनल वैश्व फेडरेशन के बिपिन राम अग्रवाल, महिला सिंग की रितू अग्रवाल, दक्षिण भारत राष्ट्रमत के संस्थापक श्रीकांत पाराशर, अग्रवाल समाज के सुरेश जालान, राजपुरोहित समुदाय के बाबू सिंह राजपुरोहित, गोड़ ब्राह्मण समाज के चुन्नीलाल नाथोलिया, वैष्णव समाज के देवराज वैष्णव, राजू वैष्णव, आंजणा पटेल समाज के भीमाराम पटेल, पीराराम चौधरी, खत्री समाज के सुरेशकुमार खत्री आदि उपस्थित थे। इस मौके पर समाज के कुछ सदस्यों ने श्रीराम कथा में अर्थ सहयोग की घोषणा भी की। इंटरनेशनल वैश्व फेडरेशन की ओर से दो लाख रुपये की राशि का सहयोग उपलब्ध कराने का बिपिनराम अग्रवाल ने आश्वासन दिया। आयोजक कमेटी के रोहित उपाध्याय, धीरज राज, रोहित उपाध्याय ने सभी राम भक्तों से श्रीराम कथा में शामिल होने का निवेदन किया है।



जयशंकर, सीतारमण, गोयल अहम वार्ता के लिए सिंगापुर जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसे कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद चौथे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए सिंगापुर जाएंगे। अपनी यात्रा के दौरान मंत्री अपने समकक्षों से बातचीत करेंगे और सिंगापुर के नेतृत्व से भी मुलाकात करेंगे। सिंगापुर आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संगठन) में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

वही वंदे मातरम् गाया, जिसे महात्मा गांधी, पटेल, वाजपेयी ने गाया था : कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

पणजी/भाषा। राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम्’ “अधूरा” गाने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने वही अंतरा गाया, जो महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जैसे राष्ट्रीय नेताओं ने गाया था। दक्षिण गोवा में पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा कि उन्होंने



जो अंतरा गाया यदि वैसा करना अपराध है, तो उन नेताओं के खिलाफ भी मामले दर्ज होने चाहिए, जिन्होंने इतना ही गाया था।

सत्तारूढ़ भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार को दक्षिण गोवा में अपनी

जनसभा के दौरान राष्ट्र गीत “अधूरा” गाया, और विपक्षी पार्टी पर राष्ट्र गीत का अपमान करने का आरोप लगाया। इस विवाद पर बात करते हुए खरगे ने कहा, मैंने वही ‘वंदे मातरम्’ गाया, जिसे महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू ने गाया था... वही गीत जिसे वल्लभभाई पटेल और अटल बिहारी वाजपेयी ने भी गाया था। अगर यह अपराध है, तो गांधीजी, नेहरू और वल्लभभाई पटेल के खिलाफ भी मामले दर्ज कीजिए।”

उच्च न्यायालय ने अयोध्या में प्रस्तावित होटल परियोजना को रोकने वाले आदेश को रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने मंगलवार को उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत भूमि अधिग्रहण के आधार पर अयोध्या में प्रस्तावित एक होटल परियोजना को रोक दिया गया था। अदालत ने कहा कि निवेश को प्रोत्साहित करने वाली राज्य सरकार की नीतियों के तहत किए गए वादों और लिए गए निर्णयों का सरकारी विभागों को सम्मान करना चाहिए। न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की पीठ ने आधार आयुक्त द्वारा 29 मई 2024 को पारित आदेश को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया। अदालत ने राज्य सरकार को छह सप्ताह के भीतर कानून के तहत संबंधित भूमि को अधिग्रहण से मुक्त करने के संबंध में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। मामला अयोध्या के



कुड़ाकेशपुर उपरहार गांव में स्थित 2,530 वर्ग मीटर भूमि से जुड़ा है। इस भूमि पर याचिकाकर्ता कल्पना निगम की होटल परियोजना रामकुलम रेजिडेंसी प्रस्तावित थी। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने 17 जुलाई 2023 को होटलों का नक्शा स्वीकृत किया था, जबकि आवास विकास परिषद ने भूमि अधिग्रहण संबंधी अधिसूचना 19 अगस्त 2023 को प्रकाशित की थी। अदालत ने माना कि होटल का नक्शा स्वीकृत होने के बाद भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी की गई और निर्माण प्रक्रिया भी उससे पहले शुरू हो चुकी थी। पीठ ने कहा

कि सरकारी विभागों को राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई नीतियों के तहत किए गए वादों और लिए गए निर्णयों का सम्मान करना चाहिए। पीठ ने कहा कि ‘इन्वेस्ट यूपी’ की बैठकों में इस मुद्दे पर पहले ही विचार किया जा चुका है और यह निर्णय लिया था कि जिन होटल परियोजनाओं के नक्शे भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी होने से पहले स्वीकृत हो चुके हैं, उन्हें अधिग्रहण की प्रक्रिया से बाहर रखा जाना चाहिए। राज्य की निवेश नीतियां निवेशकों के बीच अपेक्षा पैदा करती हैं और सरकारी अधिकारी इन नीतियों की प्रतिबद्धताओं से मनमाने ढंग से पीछे नहीं हट सकते। पीठ ने याचिकाकर्ता की इस दलील पर भी गौर किया कि परियोजना को राज्य के निवेश और पर्यटन प्रोत्साहन ढांचे के तहत विकसित किया जा रहा था और अधिकारियों ने शुरूआत में इस परियोजना को भूमि अधिग्रहण से छूट के लिए योग्य माना था।

मोकलसर से बेंगलूर में बसे प्रवासी जैन 700 सदस्य परिवारों की जानकारी एकत्र

बेंगलूर/दक्षिण भारत । स्थानीय मोकलसर प्रवासी जैन संघ की युवा उपसमिति ने परिवार डेटाबेस अभियान को पूर्ण कर लिया है। अध्यक्ष कपूरचंद दातेवाड़िया ने बताया कि समाज को अधिक संगठित, सशक्त एवं आत्मीय रूप से जोड़ने तथा मोकलसर समाज के प्रत्येक परिवार के बीच संपर्क का एक सुदृढ़ सेतु स्थापित करने के उद्देश्य से युवा उपसमिति द्वारा प्रारंभ किया गया संघ परिवार के

700 सदस्यों का डेटाबेस संग्रहित कर लिया है। उपाध्यक्ष तनसुखराज गुलेच्छा ने बताया कि मोकलसर समाज के परिवारों की आवश्यक जानकारी को व्यवस्थित रूप से संकलित करना एक भागीरथी कार्य है। समिति सदस्य संचयी दिनेश पालरेचा एवं नवरत्न गुलेच्छा ने अपने विचार व्यक्त किए। युवा कार्यकर्ताओं ने इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी परिवारों को धन्यवाद दिया।

महान गुणों से परिपूर्ण थीं साध्वी डॉ दर्शनप्रभा : साध्वीश्री सत्यप्रभा

बेंगलूर/दक्षिण भारत। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासाथ विराजित साध्वीश्री सत्यप्रभाजी ने मंगलवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए ज्ञान-साधना की प्रतिभूर्ति डॉ. दर्शनप्रभाजी के प्रथम पुण्यस्मृति दिवस के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके महान व्यक्तित्व व गुणों का भावपूर्ण स्मरण किया। गुरु मां ने उनके बौद्धिक और शैक्षणिक योगदान को याद करते हुए कहा कि डॉ. दर्शनप्रभाजी एक उच्च कोटि की त्रिदुषी थीं। उन्होंने गहन स्वाध्याय और शोध के माध्यम से आगमों व जैन दर्शन के गूढ़ रहस्यों को सरल भाषा में जन-जन तक पहुंचाया। उनका ज्ञान समाज के लिए एक अमूल्य धरोहर है, जो आने वाली पीढ़ियों का सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

इसी कड़ी में साध्वीश्री तरुणशीलाजी ने कहा कि डॉ. दर्शनप्रभा जी का संपूर्ण जीवन त्याग, तपस्या और आत्म-साधना की एक अनुपम मिसाल रहा है। उन्होंने संयम पथ पर अग्रसर होकर न केवल अपने जीवन को सार्थक किया, बल्कि धर्म और समाज को भी एक नई दिशा प्रदान की। प्रवचन के आरम्भ में साध्वी सुप्रगतिश्रीजी ने कहा कि महापुरुष कभी विदा नहीं होते, वे अपने आदर्शों, विचारों और उपदेशों के माध्यम से सदैव हमारे दिलों में जीवित रहते हैं। महासती जी के प्रति सभी श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके बताए हुए सत्य, संयम और करुणा के मार्ग पर चलें और उनके जीवन मूल्यों को अपने दैनिक आचरण में डालने का दृढ़ संकल्प लें। आराधना केन्द्र के अध्यक्ष नेमिंद्र सालेचा, महामंत्री महावीरचंद मेहता स कोषाध्यक्ष फूलचंद लुकड़ ने साध्वीश्री के गुणों को याद करते श्रद्धांजलि अर्पित की। भवन में कंडी तप के 70 से अधिक तपस्वियों के तप की आराधना चल रही है। संचालन हितेश कांकलिया ने किया।



कोलकाता में तीन मंजिला पुरानी इमारत का हिस्सा ढहा, महिला की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के मालापाड़ा इलाके में मंगलवार सुबह तीन मंजिला पुरानी इमारत का एक हिस्सा ढहने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब पांच बजे हुई। इसके बाद पुलिस और आपदा प्रबंधन कर्मी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा, पुरानी इमारत का एक हिस्सा आज सुबह ढह गया। मलबे में फंसी एक महिला को निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मलबे में फंसे अन्य सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतका की पहचान उर्मिला साहू के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह इमारत करीब 200 साल पुरानी थी। पुलिस को आशंका है कि सोमवार को कोलकाता में हुई भारी बारिश के कारण इमारत की संरचना कमजोर हुई होगी। अधिकारी ने हालांकि कहा कि इमारत गिरने के वास्तविक कारण का पता लगाया जा रहा है।



तटस्थक बल ने डूबती नाव से नौ मछुआरों को बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दमन/भाषा। भारतीय तटस्थक बल (आईसीजी) की दमन इकाई ने मंगलवार को अरब सागर में कथित तौर पर डूब रही एक नौका से नौ मछुआरों को सुरक्षित बचा लिया। इनमें से तीन मछुआरे घायल थे। तटस्थक बल ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, नौ मछुआरों को लेकर जारी रही मछली पकड़ने वाली भारतीय नौका के डूबने की सूचना मिलने के बाद दमन स्थित आईसीजी एयर स्टेशन



सतीशन ने विडिण्गम से कंटेनर को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने मंगलवार को विडिण्गम से दो कंटेनर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही यहां के अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह से आयात-निर्यात (एक्जिम) की शुरुआत हो गई। सतीशन ने राज्य के उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं वाणिज्य मंत्री पीके कुन्हालीकुट्टी और कांग्रेस विधायक एम विंसेंट के साथ मिलकर मिशन ‘समुद्र’ की भी शुरुआत की, जो बंदरगाह-आधारित औद्योगिक और आपूर्ति शृंखला विकास योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा, ‘सता में आने के बाद इस सरकार के शुरुआती फैसलों में 15,000 करोड़ रुपये की रिंग रोड परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण के वास्ते 3,200 करोड़ रुपये देना शामिल था। अगर हमने यह काम पहले कर लिया होता, तो इसकी लागत केवल 1,600 करोड़ रुपये आती।’ उन्होंने कहा, ‘रियायत समझौते में शामिल सरकार की जो भी जिम्मेदारियां पिछले 10 वर्षों में पूरी नहीं हो पाई, उन्हें तय समयसीमा के भीतर पूरा किया जाएगा।’ सतीशन

एल्वारिय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित प्रणालियों से लैस भारत का पहला बंदरगाह है। सतीशन ने कहा कि अगर पिछले 10 वर्षों में रेल और सड़क संपर्क का काम पूरा हो गया होता, तो राज्य को जो फायदा होता वह अभी होने वाले फायदे से 100 गुना ज्यादा होता। उन्होंने कहा कि संपर्क सुविधाओं में देरी जरूर हुई है, लेकिन अब भी बहुत देर नहीं हुई है और मौजूदा सरकार इसे दूर करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है।

सतीशन ने कहा कि एक्जिम परिचालन की शुरुआत के तहत रवाना किए गए दोनों कंटेनर में इडली, सांभर और केले के पकोड़े समेत विभिन्न खाद्य उत्पाद थे। सतीशन ने कहा कि राज्य सरकार काजू और नारियल के रेशे (कांयर) जैसे पारंपरिक उत्पादों का दुनिया के सभी हिस्सों में निर्यात करने की योजना पर भी काम कर रही है। उन्होंने मिशन समुद्र का जिक्र करते हुए कहा कि इसका मकसद अंतरराष्ट्रीय समुद्री बंदरगाहों, एक कंटेनर केंद्र और 18 छोटे बंदरगाहों को आपस में जोड़कर केरल को एक बंदरगाह-शहर में बदलना है।

त्विषा शर्मा की मौत फंदे से लटककर आत्महत्या करने के कारण हुई थी : एम्स मेडिकल बोर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदालत के आदेश पर दोबारा पोस्टमॉर्टम करने वाले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के मेडिकल बोर्ड के अनुसार, त्विषा शर्मा की मौत फंदे से लटककर आत्महत्या करने के कारण हुई थी। मेडिकल बोर्ड ने अपनी अंतिम फॉरेंसिक राय एक सीलबंद लिफाफे में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी, जिसके बाद सीबीआई ने सोमवार को भोपाल की एक विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। सीबीआई ने पूर्व अभिनेत्री-मॉडल त्विषा के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। उन पर त्विषा को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप है। त्विषा मई में, भोपाल स्थित अपने ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई थी। सैकड़ों पत्रों के अनुलग्नक वाले 31 पत्रों के आरोपपत्र में, (त्विषा और समर्थ की) शादी के छह महीनों के दौरान समर्थ और सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश गिरिबाला (त्विषा की सास) द्वारा त्विषा को कथित तौर पर दी गई मानसिक प्रताड़ना का विवरण है। पूर्व मिस पुणे को यह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर करने वाले लगातार “मानसिक उत्पीड़न” का भयावह ब्योरा देते हुए, एजेंसी ने अपने आरोपपत्र में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की उन धाराओं का हवाला दिया जो पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा महिला के साथ क्रूरता करने, आत्महत्या के लिए उकसाने और साझा इरादे से संबंधित हैं। त्विषा की शायी पिछले साल दिसंबर में समर्थ से हुई थी। वह इस वर्ष 12 मई को अपने ससुराल में फंदे से लटकी

हुई मिली थी। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि समर्थ उसे एम्स भोपाल ले गया था, जहां उसने दावा किया कि त्विषा ने रात 10:20 बजे घर पर फांसी लगा ली थी। प्राथमिकी के मुताबिक, एम्स के चिकित्सकों ने पुलिस को बताया कि उसे अस्पताल मृत अवस्था में लाया गया था, जिसके बाद एक ‘मेडिको-लीगल केस’ (एमएलसी) दर्ज किया गया। शुरुआती पुलिस जांच और एम्स भोपाल द्वारा किए गए पहले पोस्टमॉर्टम में रही कमियों के बारे में परिवार के आरोपों और अहम संदेहों को दूर करने के लिए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर हुए दूसरे पोस्टमॉर्टम के बाद, सीबीआई ने जांच की जिम्मेदारी संभाली तथा समर्थ और गिरिबाला को गिरफ्तार कर लिया। दूसरा पोस्टमॉर्टम 24 मई को भोपाल में एम्स दिल्ली की चार सदस्यीय टीम ने किया था। पोस्टमॉर्टम और बाद में एम्स दिल्ली के मेडिकल विशेषज्ञों के बोर्ड ने इस राय पर सहमति जताई है कि यह आत्महत्या का मामला है।

आरोपपत्र के अनुसार, “मौत का कारण दम घुटना है, जो फंदे से लटकने की वजह से हुआ। यह फांसी खुदकुशी के इरादे से लगाई गई थी और इसके लिए रिंग वाली जिम्नैस्टिक बेल्ट का इस्तेमाल किया गया था। मृतका के शरीर पर चोट का ऐसा कोई निशान नहीं मिला, जो मौत से पहले मारपीट या हाथापाई का संकेत देती हो।” मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर गति पांच सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने 10 जुलाई को सीबीआई को अपनी 11 पत्रों की मेडिकल राय सौंपी थी। इस राय में साफ तौर पर कहा गया कि त्विषा ने आत्महत्या की थी और उसके शरीर पर चोट का ऐसा कोई निशान नहीं मिला, जो कानूनी नजरिए से अहम हो या जिससे हाथापाई या संघर्ष का संकेत मिलता हो।

नेहरू-गांधी परिवार में आने से लेकर जीवन की कई स्मृतियों को किताब में साझा करेंगी सोनिया गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/एपी। इस साल कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की यादों पर आधारित एक किताब आ रही है जिसमें वह भारत के नेहरू-गांधी राजनीतिक परिवार का हिस्सा बनने से जुड़ी उम्मीदों और त्रासदियों के साथ-साथ सरकार में अपने कामकाज पर भी बात करेंगी। किताब के प्रकाशक अलेक्जेंडर ए. नॉफ ने मंगलवार को घोषणा की कि सोनिया गांधी की किताब ‘बिलांगिंग: ए जर्नी ऑफ लव’ 10 नवंबर को जारी की जाएगी। नॉफ के माध्यम से जारी एक बयान में सोनिया गांधी ने कहा, मेरे परिवार के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन बहुत कम ही ऐसी बातें सामने आईं जो उनके इरादों, उनके कामों और उनकी मानवीय कमियों की सच्चाई तक पहुंच पाईं। कई मायनों में, यह किताब उनके



मानवीय पक्ष को सम्मान देने वाली है। मेरी कहानी और पाठकों को उन सामाजिक और राजनीतिक बदलावों का एक अनोखा नजरिया भी देती है, जिन्हें मैंने अपने इस प्यारे देश में छह दशकों तक देखा है। सोनिया (79) मूल रूप से इटली की रहने वाली हैं। वह इंग्लैंड के कैम्ब्रिज में पढ़ाई कर रही थीं, तभी उनकी मुलाकात अपने सहपाठी और होने वाले पति राजीव गांधी से हुई थी। राजीव गांधी भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाती और भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बेटे थे। इस किताब में वह लिखती हैं कि कैसे 1984 में उनकी सास की हत्या के बाद उनका जीवन पूरी तरह बदल गया। इंदिरा के उत्तराधिकारी के तौर पर

उनकी जगह राजीव गांधी ने ली, जिनकी सात साल बाद हत्या कर दी गई। बाद में वह (सोनिया) खुद भी राजनीति में आईं और कांग्रेस पार्टी की सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहीं। हालांकि सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री बनने के पार्टी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। 2014 में उनकी पार्टी (कांग्रेस) सत्ता से बाहर हो गई और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी। सोनिया ने अपने बयान में कहा, “इस हृदय विदारक घटना और व्यक्तिगत नुकसान के अहसास ने ही मुझे राजनीति की सार्वजनिक दुनिया में धकेल दिया। उससे पहले तक मैंने अपनी निजता को बहुत संभालकर रखा था।” उन्होंने कहा, “अपने जीवन के बारे में लिखना मेरे लिए आसान नहीं था। इसका मतलब था उन पलों और अनुभवों को साझा करना जिन्हें मैंने हमेशा अपने मन में गहराई से छिपाकर रखा था।”



आमजन को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएं हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गांव-ठाणी से लेकर शहरों का समग्र विकास करते हुए आमजन को बुनियादी सुविधाएं को उपलब्ध करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि वे सफाई, पेयजल, सड़क, रोशनी, कचरा संग्रहण सहित आमजन से जुड़ी सुविधाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें। इनसे संबंधित किसी भी प्रकार की परिवेदना का प्राथमिकता से निस्तारण करें तथा कोताही बरतने पर कार्मिक और ठेकेदार पर कार्यवाही करें। अंतर विभागीय समाधान वाली शिकायतों में जिला कलेक्टर प्रभावी विभागीय समन्वय भी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने इन सुविधाओं के सुचारु संचालन के लिए अतिरिक्त मानव संसाधन नियोजित करने के लिए भी विशेष रूप से निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री

कार्यालय में राज उज्जति की आठवीं बैठक में लगभग 60 हजार करोड़ रुपये की लागत की परियोजनाओं एवं विभिन्न योजनाओं के तहत प्रगतिरित कार्यों की समीक्षा करते हुए ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून का सीजन होने के कारण जल भराव, सड़कों का टूटना, बिजली आपूर्ति बाधित होना, दुर्घटनाएं होना आदि समस्याएं लगातार सामने आती हैं। जिला प्रशासन इन समस्याओं का पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ समाधान करें।

उन्होंने जिला कलेक्टरों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सड़कों की मरम्मत एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए प्रत्येक नगर निगम को 10 करोड़ रुपये, नगर परिषद को 3 करोड़ रुपये और नगरपालिका को 1 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध करवाई है। जिला कलेक्टर समिति गठित कर आवश्यक सड़क मरम्मत और अन्य कार्य तत्काल करवाएं। साथ ही, आवश्यकतानुसार नालियां, पुलियाओं, सड़क किनारों एवं अन्य संबंधित आधारभूत सुविधाओं की मरम्मत भी करवाएं। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता की नियमित जांच करने और मौके पर

कार्य की वास्तविक स्थिति की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रमुख मार्गों, चौराहों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था करने तथा खराब स्ट्रीट लाइट को तत्काल ठीक करवाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम-जी की प्रगति की जिला कलेक्टर स्वयं समीक्षा करें।

मुख्यमंत्री ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि इसके अंतर्गत करीब तीन लाख प्लॉट लगाए जा चुके हैं। शेष प्लॉट भी मार्च 2027 तक लगाया जाना सुनिश्चित किया जाए। इससे प्रदेश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ते हुए देश में सिरमौर बनेगा।

उन्होंने मुख्य सचिव को योजनांतर्गत बैंक ऋण सुविधा को अधिक सुचारु बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने सीएस-सीकर रेल मार्ग के दोहरीकरण कार्य के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रदेश में प्रगतिरित 60 स्टेशनों के कार्यों की भी समीक्षा की।

नाबालिग बेटी से दुष्कर्म का झूठा मामला दर्ज कराने वाली मां पर 5000 रुपये का जुर्माना

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले की एक विशेष अदालत ने नाबालिग बेटी से दुष्कर्म का झूठा मामला दर्ज कराने वाली एक महिला पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अदालत ने पाया कि इस मामले में शिकायतकर्ता ने भूमि विवाद के कारण पड़ोसी को बदनाम करने और उस पर दबाव बनाने के उद्देश्य से झूठी शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस के मुताबिक, महिला ने 26 सितंबर 2024 को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी सात वर्षीय बेटी खेत में रखवाली कर रही थी और इसी दौरान पड़ोसी उसे अपने खेत में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की लेकिन जांच के दौरान नाबालिग ने अपने बयानों में कथित घटना से इनकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि दोनों परिवारों के बीच जमीन और पशुओं के चराने को लेकर विवाद था। पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच में दुष्कर्म के आरोप असत्य पाए जाने पर पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट अदालत में पेश की और रिपोर्ट को आठ जुलाई 2025 को स्वीकार कर लिया गया। अदालत ने सुनवाई के दौरान पाया कि शिकायतकर्ता ने निजी विवाद के कारण अपनी नाबालिग बेटी को माध्यम बनाकर पड़ोसी के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराया था।



सर्वदलीय बैठक में सकारात्मक रुख के साथ सदन शांतिपूर्वक चलाने पर सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के आगामी सत्र से पहले मंगलवार को हुई सर्वदलीय बैठक में सदन को सकारात्मक रुख के साथ एवं शांतिपूर्वक चलाने को लेकर सहमति बनी। विधानसभा में यह बैठक अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में हुई। विधानसभा के प्रवक्ता के अनुसार, इस बैठक में सभी दलों ने सकारात्मक रुख के साथ सदन शांतिपूर्वक चलाने, आसन की गरिमा बनाये रखने और असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल न किये जाने को लेकर सहमति व्यक्त की। पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ने अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि

सदस्य सदन में मर्यादापूर्ण व्यवहार से अपनी बात रखेंगे एवं जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा करेंगे।

देवनानी ने भी आश्वासन दिया कि चर्चा में हिस्सा लेने के लिए सभी को पर्याप्त समय दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिपक्ष सदन में नियमों के अनुरूप जनहित के मुद्दे उठाये और राज्य सरकार उनका समाधान करने का पूरा प्रयास करे। राजस्थान विधानसभा के छठे सत्र की बैठकें बृहस्पतिवार (20 अगस्त) से शुरू होंगी। बैठक में देवनानी ने कहा कि सदन में सार्थक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "सदन और आसन की गरिमा सभी सदस्य बनाये रखें। सभी दलों के सदस्य सकारात्मक सोच के साथ सदन में भागीदारी निभायें। सदन चलाना सदस्यों की सामूहिक

जिम्मेदारी होती है।"

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूनी ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि विपक्ष की ओर से सदन में रखी गयी बातों को सरकार गंभीरता से ले, क्योंकि सदन चलाने की जिम्मेदारी सत्तापक्ष एवं विपक्ष, दोनों की है। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विधानसभा में सर्वदलीय बैठक आहूत किया जाना अध्यक्ष की महत्वपूर्ण पहल है। बैठक में सत्ता पक्ष के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, भारत आदिवासी पार्टी के थावरचन्द, बहुजन समाज पार्टी के मनोज कुमार, राष्ट्रीय लोकदल के डॉ. सुभाष गर्ग और विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा मौजूद थे।



जयपुर से डिग्गी कल्याणजी के लिए लक्खी पदयात्रा शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के ऐतिहासिक तारकेश्वर महादेव मंदिर से मंगलवार सुबह वार्षिक डिग्गी कल्याणजी लक्खी पदयात्रा शुरू हुई। चौड़ा रास्ता स्थित मंदिर में साधु-संतों

और श्रद्धालुओं की मौजूदगी में मुख्य भगवा ध्वज की पूजा-अर्चना के बाद सुबह करीब नौ बजे यात्रा को रवाना किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाओं की भी अच्छी भागीदारी रही। भक्ति गीतों और हिंदू देवी-देवताओं की झांकियों के बीच श्रद्धालु डिग्गी की ओर रवाना हुए। अधिकांश श्रद्धालु पैदल यात्रा कर रहे हैं,

जबकि कुछ श्रद्धालु मार्ग में दंडवत प्रणाम करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। टोंक जिले के डिग्गी तक करीब 75 किलोमीटर की यह पदयात्रा पांच दिन में पूरी होगी। चौड़ा रास्ता से टोंक रोड और सांगानेर तक कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे और स्वागत शिविर लगाए गए हैं। इन शिविरों में भोजन, पेयजल और विश्राम की व्यवस्था की गई है।

आयोजकों के अनुसार, यात्रा के दौरान श्रद्धालु विभिन्न स्थानों पर पड़ाव डालेंगे और 22 अगस्त को डिग्गी कल्याण मंदिर पहुंचेंगे। उसी दिन शाम पांच बजे मंदिर में शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद रात में भगवान कल्याणजी का गंगोत्री से लाए गए गंगाजल से अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद रातभर भक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए जयपुर यातायात पुलिस ने टोंक रोड और जेएलएन मार्ग सहित कई स्थानों पर यातायात में बदलाव और मार्ग परिवर्तन किए हैं। पदयात्रा न्यू गेट, रामनिवास गार्डन, मोती डुंगरी गणेश मंदिर, रामबाग सर्किल, लक्ष्मी मंदिर तिराहा, टोंक फाटक, दुर्गापुरा और सांगानेर से होकर डिग्गी की ओर रवाना हुई।

खाद के लिए कतार में धक्के खा रहे हैं किसान : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खाद की कथित किलत का मुद्दा उठाते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि कई जिलों में किसान कतार में धक्के खा रहे हैं। गहलोत ने इसको लेकर केंद्र एवं राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता ने एक बयान में कहा, "भाजपा सरकार के कृषि विभाग की सबसे गर्मनाक तत्वीर सामने आई है। शोदाओं में तीन लाख मीट्रिक टन से ज्यादा खाद मौजूद है लेकिन किसान घंटों कतार में खड़े होकर भी खाली हाथ लौट रहे हैं।"



खा रहे हैं। यह लापरवाही नहीं, सुनियोजित लूट है। दुकानदार जानबूझकर किलत दिखाकर कालाबाजारी कर रहे हैं।" गहलोत ने कहा, "लोग आरोप लगा रहे हैं कि 266 रुपये की यूरिया की बोरी किसानों तक 500 रुपये में पहुंचाई जा रही है, जबकि किसानों के हिस्से की खाद उद्योगों को भेजी जा रही है।"

उन्होंने आरोप लगाया कि कृषि विभाग ने निगरानी के नाम पर अधिकारी, कर्मचारी तैनात किए लेकिन वह सिर्फ दिखावा साबित हुआ। गहलोत ने कहा, "जो सरकार अपने ही गोदामों में उपलब्ध खाद अन्नदाता तक नहीं पहुंचा सकती, वह आखिर किस मुंह से खुद को किसान हितैषी होने का दावा करती है??

कुछ दिन बारिश की गतिविधियां कमजोर रहने की संभावना

जयपुर। मौसम विभाग ने कहा है कि राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में आगामी कुछ दिन बारिश की गतिविधियों में कमी रहेगी, हालांकि 20 अगस्त से कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य के अधिकतर भागों में आगामी 2-3 दिन बारिश के गतिविधियों में कमी रहने की संभावना है। हालांकि पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।



राजस्थानी परिधान भारतीय संस्कृति और परंपरा की समृद्ध विविधता का एक महत्वपूर्ण प्रतीक : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में चल रहे 'तीजोत्सव-2026' का मंगलवार को अवलोकन करते हुए केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री और अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने कहा कि राजस्थानी परिधान भारतीय संस्कृति और परंपरा की समृद्ध विविधता का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों, लोकजीवन, रीति-रिवाजों और कला परंपराओं ने यहां की वेशभूषा को विशिष्ट पहचान प्रदान की है। पुरुषों की धोती-कुर्ता, अंगरखा, साफा और पांडी तथा महिलाओं की घाघरा-चोली, ओढ़नी और पारंपरिक आभूषण राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाते हैं। प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने केन्द्रीय मंत्री का तीजोत्सव

2026 में स्वागत करते हुए उन्हें उत्सव में लगे स्टॉल का अवलोकन करवाया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने स्टेशन पर आकर सभी आंग्लकों को राजस्थानी कला और संस्कृति के बारे में अवगत करवाया। चौधरी तीजोत्सव के भव्य और सफल आयोजन के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को तीज की शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर प्रमुख आवासीय आयुक्त ने केन्द्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस उत्सव के आयोजन का उद्देश्य राजस्थान की लोक संस्कृति, कला, परंपरा एवं विरासत के संरक्षण और संवर्धन के साथ-साथ देशभर में राजस्थानी संस्कृति की विशिष्ट पहचान को और अधिक सुदृढ़ करना है। बीकानेर हाउस में आयोजित यह उत्सव दिल्लीवासियों एवं राजस्थान के बाहर निवास करने वाले राजस्थानी समाज के लिए राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता से रूबरू होने का विशेष अवसर प्रदान कर रहा है। दस दिवसीय

तीजोत्सव में प्रत्येक दिन नई प्रतियोगिताओं के आयोजन की श्रृंखला में राजस्थानी परिधानों के प्रदर्शन के लिए एक रैम्प शो का आयोजन किया गया। जिसमें हर वर्ग के पुरुष, महिला एवं बच्चों ने भाग लिया। विजेता प्रतिभागियों को सम्मान स्वरूप पुरस्कार भी भेंट किए गए।

इस अवसर पर संयुक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती रंजिती ने बताया कि उत्सव में 19 अगस्त को गायन प्रतियोगिता, 20 अगस्त को साफा-पगड़ी बांधने की प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अतिरिक्त उत्सव के दौरान बच्चों एवं आमजन की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए भी विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं रखी गई हैं। 21 अगस्त को बच्चों के लिए मैथेमेटिकल रेस, 22 अगस्त को लेमन स्पून रेस तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 23 अगस्त को ररसाकशी प्रतियोगिता के साथ प्रसिद्ध लोक कलाकार कुटले खां द्वारा विशेष लोक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी।



जनभागीदारी राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशा मुक्त को नशे की गिरफ्त से मुक्त कराने के उद्देश्य से श्रीगंगानगर के जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन सीमा संकल्प की केंद्रीय कमान्टू एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सराहना की। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान ऑपरेशन सीमा के सह-प्रभारी विक्रम ज्योषी व गंगानगर जिले की नशा मुक्त अभियान की ब्रांड एंबेसडर लक्ष्मी ज्योषी को उनके द्वारा जागरूकता के लिए किए गए 860 नाटकों के लिए सम्मानित करते हुए कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है।

उन्होंने कहा कि श्रीगंगानगर जिले में जनसहभागिता से चलाया जा रहा यह अभियान युवाओं को नई दिशा देने और स्वस्थ, सुरक्षित एवं संस्कारित समाज के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने अभियान से जुड़े सभी सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों, प्रशासन, पुलिस, शिक्षकों, चिकित्सकों और जागरूक नागरिकों की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब समाज स्वयं बदलाव का संकल्प लेता है, तब सकारात्मक परिवर्तन निश्चित रूप से दिखाई देता है।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री ने जिलेवासियों से आह्वान किया कि नशा मुक्त श्रीगंगानगर का सपना तभी साकार होगा, जब प्रत्येक लक्ष्मी ज्योषी को उनके द्वारा जागरूकता के लिए किए गए 860 नाटकों के लिए सम्मानित करते हुए कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है।

ज्ञान का दीपक जलाइए। हर दिन कुछ नया सीखिए, जिज्ञासा बनाए रखिए, सीखना कभी मत छोड़िए, यही उन्नति का मार्ग है।

कितना कमाल दिखाएगी भाजपा की 'नवीन' टीम?

डॉ. मधुबंद कार को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनानाका भाजपा ने प. बंगाल में अपने कार्यकर्ताओं का जोश द्युना कर दिया है। वहां उसकी सरकार बनने के बाद लिए गए कई फैसले राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में हैं। वहीं, डॉ. मधुबंद को को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाने से कार्यकर्ताओं में यह संदेश जाण्डा कि पार्टी अपने 'कफादार सिपाहियों' को नहीं भूलती है। डॉ. कर छात्र जीवन में एबीवीपी से जुडी थीं। भाजपा की बृथ एएन सी रह चुकी हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने के बावजूद पार्टी की जीत के लिए बहुत मेहनत की थी। पार्टी ने भी डी जे जिम्मेदारी देकर उन पर भरोसा जाता है। भाजपा में आने के बाद, पिछले एक दशक में डी पुरंदेक्षरी का सिायसी कद तेजी से बढ़ा है। वे आंध्र प्रदेश में भाजपा का विस्तार करने वाले प्रमुख चेहरों में से एक हैं। प्रदेशाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी के बाद यह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी देने से भाजपा को डी पुरंदेक्षरी के अनुभव का लाभ मिलेगा। कर्नाटक के प्रो. एम नागराज का आरएसएस और एबीवीपी से बहुत पुराना जुड़ाव है। वे शिक्षाविद् और संसद के अनुभवी नेता हैं। उनकी छवि अच्छी है। पार्टी उन पर भरोसा करती है। उन्हें राज्यसभा सदस्य बनाने के बाद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी बना दिया है। उनके सामने कर्नाटक समेत पूरे दक्षिण भारत में भाजपा को मजबूत करने की चुनौती होगी। पार्टी ने उत्तर प्रदेश से दो राष्ट्रीय उपाध्यक्ष - रेखा वर्मा और डॉ. तारुण मसूर - बनाकर ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय को प्रतिनिधित्व दिया है। लोकसभा के सबसे ज्यादा सांसद देने वाले उप्र में अगले साल विधानसभा चुनाव होना है। लज्जादा यहां से दो राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाना उचित फैसला है। बादल परिवार से अलग होकर अपनी सिायसी जमीन तलाशने वाले मनप्रति सिंह पंजाब के बड़े सिक्ख नेता हैं। वे अपने भाषणों में महान दार्शनिकों की बातों का जिक्र करने के लिए जाने जाते हैं। आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी, क्योंकि भाजपा, शिरोमणि अकाशी दल के साथ गठबंधन करने के बजाय अपने दम पर आगे बढ़ने की बात कह चुकी है। इसी तरह, वर्षभिन दोशी (गुजरात), डॉ. भारती पवार (महाराष्ट्र) और लाल सिंह आर्य (मध्य प्रदेश) को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाकर उनकी मेहनत, संर्घ और अनुभव का सम्मान किया है। भाजपा की 'नवीन' टीम किटना क्माल दिखाएगी? यह समय ही बताएगा।

-राजनाथ सिंह



-अमित शाह



-ओम बिरला

भारतीय संस्कृति के प्राणतत्व तुलसीदास

प्र यागराज में ही तुलसीदास में कवित्व शक्ति का प्राकट्य हुआ और वे संस्कृत में पद्य रचकर लगे लगे, लेकिन एक दिन रचपन में भगवान् शिवपाँकर ने उन्हें जनभाषा में काव्य-रचना करने के लिए कहा। तुलसीदास नौद से जागे तो भवानी-शंकर को सम्मुख देख साष्टांग प्रणाम किया। भगवान् शिवशंकर ने रचपन की बात दोहरायी और आशीर्वाद दिया कि यह काव्य-रचना के समान फलदायी होगा। गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म प्रयागराज स्थित चित्रकूट जिले के राजापुर गाँव के एक प्रतिष्ठित सत्सूरीयार ब्राह्मण परिवार में संवत् 1554 की श्रावण शुक्ल सप्तमी के दिन हुआ था। जन्म के तुरंत बाद ही 'राम' नाम का उच्चारण करने के कारण बालक का नाम 'रामबोला' रखा गया। जन्म के समय उदय मुख में बत्तीस दांत थे और यह रुदन करने के बजाय रो रहे थे। पिता आत्माराम दुबे को चिंतित देख बालक की माता श्रीमती हलसी देवी ने उसे बुनियां नामक दासी के साथ उसके ससुराल भेज दिया। जन्म के दूसरे ही दिन हलसी देवी का देहांत हो गया। लेकिन दासी बुनियां को लगता था कि बालक कोई दिव्य आत्मा है।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company/64, 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinusard Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekanth Parashar.** (Responsible for selection of news under PRB Act). Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or in any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. RNI No. 5806193. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PS Mysore Road Bengaluru-560 026

पाजकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञान (वैद्यकिक, कर्मिक, टेक्नॉलॉजी एवं समाजी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धमकाई का अर्थ्य करने से पूर्व इन विज्ञानियों के बारे में समस्त जानकारी वही स्वयं प्राप्त करें। (दक्षिण भारत राष्ट्रमण्डल समूह उपजादी की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञानमन्त्रालयों द्वारा किए जाने वाली प्रकाशक के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञानमन्त्रालय विज्ञान में किया जा रहा दावा पुरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमण्डल समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाजक किसी भी रूप में उत्तरदायी नहीं बना सकते)। - दक्षिण भारत राष्ट्रमण्डल

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

युवाओं का तर्क था कि प्रतियोगी परीक्षा उनके लिए केवल प्रश्नों और उत्तरों का खेल नहीं होती। उसके पीछे वर्षों की मेहनत, परिचाय का आर्थिक सहयोग, व्यक्तिगत त्याग और भविष्य के सपने जुड़े होते हैं। इसलिए परीक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी सीधे उनके जीवन को प्रभावित करती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाला युवा सामान्यतः अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों को किताबों, कक्षाओं और अभ्यास में लगाता है। वह कई बार आर्थिक कठिनाइयों से बावजूद तैयारी जारी रखता है। उसके सामने सरकारी नौकरी केवल रोजगार का माध्यम नहीं होती, बल्कि परिवार की समाजिक और आर्थिक स्थिति बदलने का अवसर भी होती है। ऐसे में यदि परीक्षा की प्रक्रिया पर ही प्रश्नचिह्न

सरकार ने वर्ष 2014 से अब तक हुई भर्ती परीक्षाओं में सामने आई छोटी या बड़ी गड़बड़ियों को जांच कराने की बात कही है। यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे जांच का दायरा किसी एक परीक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि निम्न मामलों में नियमों का पालन नहीं हुआ या किसी प्रकार की लापरवाही और अनियमितता सामने आई, वहां जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में स्तंत्र जांच समिति बना जायेगी की बात भी सामने आई है। इसके साथ ही राज्य के अपराध अनुसंधान विभाग को भी व्यापक जांच की जिम्मेवारी दी गई है। यह कदम सभी सार्थक होगा जब जांच केवल काजी प्रक्रिया बनकर न रहे जाय, बल्कि दोषियों तक पहुंचे और पूरी प्रक्रिया जनता के सामने पारदर्शी ढंग से रखी जाए। इस आंदोलन की एक उल्लेखनीय विशेषता छात्रों का धैर्य रहा। इन्होंने लंबे समय तक धरना देना और लगातार अपनी मांगों पर टिके रहना आसान नहीं होता। इसके साथ ही अश्वन ने आंदोलन को और गंभीर बना दिया। छात्र नेता दोदेंद्र नाथ महतो ने 16 दिनों तक भूख हड़ताल की। सरकार के निर्णय के बाद उन्होंने अपना अनशन समाप्त किया और इसे छात्रों की बड़ी जीत बताया।

उनके अनर्पण का समाप्त होना इस सघर्ष के एक महत्वपूर्ण चरण के पूरा होने का संकेत है। रणजी के खेल मैदान में सत्कार के फैसले से सचिनी समझ पहुँचते ही छात्रों में भारी उत्साह दिखाई दिया। लंबे समय से धरने पर बैठे अभ्यर्थियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी व्यक्त की। यह खुशी केवल परीक्षा रद्द होने की खुशी नहीं थी। यह उस भावना की खुशी थी कि उनकी आवाज आखिरकार सत्ता के गलियारों

सबसे बड़ी चुनौती अब उन अभ्यर्थियों की है, जिन्होंने परीक्षा उत्तीर्ण करके आगे की प्रक्रिया पूरी कर ली थी या नियुक्ति की उम्मीद में बैठे थे। परीक्षा रह होने के बाद उनके सामने फिर से परीक्षा देने की स्थिति पैदा हो सकती है। यह उनके लिए आसान नहीं होगा। सरकार को इसलिए केवल परीक्षा रह करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रभावित अभ्यर्थियों को हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे निर्दोष अभ्यर्थियों को अनावश्यक नुकसान न उठाना पड़े। जिन युवाओं ने नियमों के अनुसार परीक्षा दी है, उन्हें पूरी प्रक्रिया की खासियत का भार अकेले नहीं उठाना चाहिए। यह घटनाक्रम सरकार के लिए भी एक बड़ा सबक है।

किसी भी भतीं व्यवस्था की सफलता केवल प्रश्नपर तैयार करने और परिणाम घोषित करने में नहीं होती। उसकी वास्तविक सफलता उसके बात में होती है कि जितनी अभ्यर्थी तक यह विद्यालय पहुंचे कि उसके साथ न्याय हुआ है। किसी परीक्षा के लेखक परिणाम तक हर चरण में परासहीतता आवश्यक है। यदि किसी परीक्षा में एक ही गंभीर गड़बड़ी सामने आती है तो उसका प्रभाव हजारों अर्थरथियों पर पड़ता है। इसलिए परीक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के साथ साथ मानवीय और प्रशासनिकक रूप से स्तर पर भी कठोर निगरानी की आवश्यकता है।

सरकार ने भविष्य की परीक्षाओं को अधिक

छात्र आंदोलन की यह सफलता यह भी बताती है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण और संगठित जनबदाब की अपनी शक्ति होती है। जब मांग व्यक्तिगत हित से ऊपर उठकर व्यवस्था में सुधार और न्याय की मांग जाती है, तब उसका प्रभाव व्यापक होता है। झारखंड के छात्रों ने अपने संघर्ष से यही संदेश दिया है कि युवा यदि अपने अधिकारों के लिए धैर्य और एकजुटता के साथ खड़े हों तो उनकी आवाज को अनसुना करना आसान नहीं होगा। लेकिन अब छात्रों की जीत को स्थायी सुधार में बदलने की जिम्मेदारी सरकार की है। केवल परीक्षाएँ रद्द कर देना पर्याप्त नहीं होगा। देशियों की पहचान, निष्पक्ष जाग, समग्रबद्ध कारावां और भविष्य की परीक्षा व्यवस्था में ऐसे प्रबंध जरूरी हैं जिनसे दोबारा ऐसी स्थिति पैदा न हो। युवाओं को बाबा सड़क पर उतरकर अपने भविष्य की सुरक्षा मांगनी पड़े, इससे बेहतर है कि व्यवस्था इतनी विश्वसनीय बनाई जाए कि किसी आंदोलन की आवश्यकता ही न पड़े। सत्ता बिली आंदोलन की, सरकारें आती जाती रहती हैं, लेकिन युवाओं के सपने नहीं बदलते। उनके सपनों की रक्षा करना शासन का प्राथमिक कर्तव्य है और यही एक स्वस्थ और कल्याणकारी राज्य की सही पहचान है।

वेनेजुएला के बाद इंडोनेशिया में भूकंप ने दहलाई दुनिया

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

और उनमें से लगभग 100 भूकंप ऐसे होते हैं, जो भूकंपमान पंहुचाते हैं। हालांकि, भूकंप की भविष्यवाणी करना फिलहाल संभव नहीं है। वैज्ञानिकों ने यह तो पता कर लिया है कि भूकंप क्यों आते हैं, लेकिन यह बताना मुश्किल नहीं कि कब पृथ्वी की चट्टानें टूटेंगी और कब भूकंप आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप पृथ्वी की भूपटल में अचानक होने वाला कंपन या लहर है। जो धरातल के नीचे चट्टानों के लचीलेपन या गुरुत्वाकर्षण की समस्थिति में क्षणिक अवस्थास्था के कारण उत्पन्न होता है। यह पृथ्वी के स्थलमंडल में ऊर्जा के अचानक मुक्त होने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकंपीय तरंगों की वजह से होता है। भूकंप बहुत हिंसक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को

गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरे शहर को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं।

भूकंप का पहला ज्ञात साक्ष्य चीन के शादी प्रांत से 1831 ईसा पूर्व प्राप्त हुआ था। यह भूकंप दुनिया का पहला रिकॉर्डेड भूकंप माना जाता। इसके बाद भूकंपों के कई खतरनाक आवेग विनाशकारी मामले सामने आए। दुनिया का सबसे शक्तिशाली भूकंप 22 मई 1960 को चिली आया था, जिसकी तीव्रता 9.5 मेगावाट मापी गई थी। यह भूकंप इतना शक्तिशाली था कि पूरे क्षेत्र भारी तबाही मच गई थी।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 26 दिसंबर 2004 का दिन दुनिया के इतिहास में सबसे भयावह प्राकृतिक आपदाओं में दर्ज है। इंडोनेशिया

के सुमात्रा द्वीप के पास समुद्र के भीतर 9.1 ती
का भूकंप आया, जिसने कुछ ही मिनटों में सु
का रूप ले लिया। विशाल समुद्री लहरों ने भ
थीलें, डूबोतेथिया, आईलैंड, मालदीव त
14 देशों में ऐसी तबाही मचाई कि लाखों लोग
जिंदगी उजड़ गई। भारत के तमिल
अंडमान-निकोबार और आंध्र प्रदेश के त
इलाकों में तबाही का मंजर आज भी दिल दह
वाला है।

कैरेगियाई देश हेती में 12 जनवरी 2014
 आया भूकंप आधुनिक इतिहास का सबसे दर्दनाक
 त्रासदीयों में गिना जाता है। इसमें करीब 2
 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। तुर्की और सीरिया में
 फरवरी 2023 को तुर्की और सीरिया में
 7.8 तीव्रता के भूकंप ने पूरी दुनिया को हिला
 रखा दिया। इस आघात में करीब 34 हजार
 की मौत हुई। अरबों रुपये की संपत्ति नष्ट हो
 और लाखों लोगों को राहत शिविरों में शरण
 पड़ी। इसी भाँति 23 जनवरी 1556 को चीनी
 शान्शी प्रांत में आया भूकंप आज भी
 इतिहास का सबसे घातक भूकंप माना जाता
 है। इसी के अनुसार हर त्रासदी में लगभग 8
 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। आज तक
 भी भूकंप में इतनी बड़ी संख्या में लोगों की
 नहीं गई। चिली के वाल्दीविया क्षेत्र में 22
 1960 को आया भूकंप रिक्टर स्केल पर अब
 का सबसे शक्तिशाली भूकंप माना जाता है। इस
 तीव्रता 9.5 दर्ज की गई थी। भूकंप 3
 शक्तिशाली था कि इसके झटके हजारों किलोमीटर
 दूर तक महसूस किए गए। इसके बाद आई सुनामी
 ने चिली के अलावा जापान, फिलीपींस और प्रशांत
 महासागर के कई देशों में भारी नुकसान पहुंचा दिया।
 इस आघात में लगभग 1,600 लोगों की मौत हुई।



तीर्थकर राह दिखाते हैं पर खुद को चलकर पहुंचना है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

वैराग्य भावों से मनाया नेमिनाथ का दीक्षा कल्याणक पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। जैनधर्म के बाईसवें तीर्थंकर यदुवंशी भगवान नेमिनाथ का दीक्षा कल्याणक पर्व मंगलवार को यहां श्रद्धा-भक्ति और अपार हर्ष-उल्लास से मनाया गया। आचार्य विमलसागरसूरीक्षरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के सांनिध्य में मंत्रों और मुद्रा विधानों से नेमिनाथ का सांमुहिक पूजन किया गया। लाभाधियों ने अभिमंत्रित देवदुष्य अर्पित किया। सैंकड़ों नर-नारियों ने नैवेद्य और फल पूजा का सौभाग्य प्राप्त किया। संयम के भावपूर्ण भक्तिगीतों के साथ उपकरणों और संयमियों की अभिवंदना की गई। महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में तीन दिवसीय कल्याणक पर्व की संयोजना में सैंकड़ों परिवार सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर आचार्यश्री ने कहा कि नेमिनाथ त्याग-वैराग्य और जीवदया के अप्रतिम प्रतिमान हैं। वासुदेव श्रीकृष्ण, उनके पुत्र, पांचों पांडव भाता, नारद, राजकन्या राजीमती तथा जरासंध आदि महाभारतकालीन ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के साथ उनके प्रसंग बहुत प्रेरणादायी हैं। योगमार्ग ही तीर्थंकरों के जीवन का शुद्ध ध्येय होता है। वे सत्वशाली पवित्र आत्माएं संसार को भोग और संबंधों की नश्वरता का भान कराती हैं।

उनके पीछे ज्ञान और योगमार्ग पर चलते हुई हजारों-लाखों आत्माएं जीवन का कल्याण करती हैं। आचार्यश्री ने कहा कि देर-सबेर योगमार्ग का अनुसंधान ही मनुष्य जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य बनना चाहिए। दुनिया के शेष सारे विकल्प दुःख, अशांति और असंतोष के मार्ग हैं। मनुष्य का विवेक ही ज्ञान के परिपेक्ष्य में सत्य का अनुसंधान करता है। तीर्थंकर राह दिखाते हैं, लेकिन साधना पथ पर चलकर मंजिल तक स्वयं को पहुंचना होता है।



‘खरतरगच्छ के गौरवशाली गोत्र’ नामक कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ द्वारा जिनकुशलसूरी जैन आराधना भवन में खरतरगच्छ दिवस प्रसंग पर ‘खरतरगच्छ के गौरवशाली गोत्र’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर दादावाडी के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेंद्रकुमार रांका, संघ के अध्यक्ष प्रकाश भंसाली, मंत्री राजेंद्र गुलेच्छा, जिनदत्त जिनकुशल मंडल के अध्यक्ष ललित डाकलिया, केयुप अध्यक्ष नीलेश मेहता, मंत्री हेमंत गुलेच्छा, संघ के कोषाध्यक्ष विकास पारख

ने गच्छ स्थापक जिनेश्वरसूरी के चित्र के आगे दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण एवं शासनध्वज आरोहण किया। अध्यक्ष प्रकाश भंसाली ने स्वागत किया। महिला परिषद अध्यक्ष पवनी बाफना ने अपने विचार व्यक्त किए।

साध्वी डॉ. प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने आज के दिन की तीन विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आज ही के दिन 23वें तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान का दीक्षा कल्याणक भी है, तपोमूर्ति गणाधीश छगनसागरजी की पुण्यतिथि के साथ ही खरतरगच्छ दिवस भी है। उन्होंने बताया कि स्वयं अम्बिकादेवी द्वारा खरतरगच्छ स्थापक जिनेश्वरसूरी एवं प्रथम

दादागुरु जिनदत्तसूरी को युगप्रधान की पदवी प्रदान की गई थी।

मुनि श्री मलयप्रभसागरजी ने प्रसंगानुसार प्रवचन के माध्यम से खरतरगच्छ दिवस के बारे में बताया। मुख्य कार्यक्रम के अंतर्गत खरतरगच्छ के अनेक पूर्वाचार्यों एवं दादागुरु द्वारा विभिन्न गोत्रों के स्थापना के कारण एवं प्रसंगों को पात्रों के द्वारा प्रदर्शित किया गया। युवा सदस्यों ने अपनी अपनी सुन्दर प्रस्तुतियों के माध्यम से विभिन्न गोत्र स्थापना के प्रसंगों को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के मंत्री कुशल गुलेच्छा सहित अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र गुलेच्छा ने किया।



‘रसमयी वृंदावन तीज’ में दिखी भक्ति व संस्कृति की झलक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाडी युवा मंच जागृति द्वारा जयनगर स्थित एक होटल में रसमयी वृंदावन तीज का मनमोहक आयोजन किया गया, जिसमें 160 सदस्याओं ने भाग लिया। पूरे कार्यक्रम में तीज की पारंपरिक संस्कृति, भक्ति, संगीत और मनोरंजन का अद्भुत संगम देखने को मिला।

इस मौके पर प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, राष्ट्रीय संयोजक(वित्त) नितेश टिबरेवाल, मायुम स्टार्स के आशीष फिटकरीवाला, बेंगलूरु शाखा के सचिव

विनोद गर्ग, जागृति की संरक्षिका सुशीला एवं रमन जैन सहित अनेक राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी उपस्थित थे। इस उत्सव में तीज शाली डेकोरेशन, बरसाना तीज क्रीन रैंप वॉक प्रतियोगिता आयोजित की गई। आयुषी बंसल तीज क्रीन बनीं। सदस्य मनीष गोल्यान एवं प्राची गोल्यान ने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी का रूप धारण कर सभी को आकर्षित किया। अनेक मनोरंजक खेल खेले गए तथा लकड़ी झूँ के माध्यम से विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। संयोजिका नीतू यादुका और उनकी टीम ने व्यवस्था संभाली। अंत में सचिव शीतल अग्रवाल ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन संदीप बरडिया ने किया।



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पेयजल सुविधा का लोकार्पण

बेंगलूरु की माहेक्षरी सभा द्वारा जनसेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत वाणी विलास हॉस्पिटल में मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा हेतु स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तीन आरओ वाटर फिल्टर एवं एक शीतल-गर्म आरओ वाटर मशीन कुल 4 मशीनें प्रदान की गई। इस मौके पर सभा के अध्यक्ष भगवानदास लाहोरी, उपाध्यक्ष राजगोपाल मर्दा, संगठन मंत्री विनीतकुमार बियानी, प्रोजेक्ट संयोजक र्स्नेह कुमार जाजू, वाणीविलास हॉस्पिटल की डॉ सविता आदि उपस्थित थे।



महिला के लिए कार ड्राइविंग प्रशिक्षण ‘शी ड्राइव्स’ अभियान शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्वतंत्रता दिवस पर कांठा प्रांत जैन संघ महिला विंग की ओर से महिलाओं के लिए कार ड्राइविंग प्रशिक्षण ‘शी ड्राइव्स’ अभियान का कारों को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेन्द्र मुणोत ने कहा कि आत्मनिर्भरता ही हमें परिवार, समाज और देश के लिए कर्तव्य निभाने में सक्षम बनाती है। समाज की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के इस प्रयास के लिए मुणोत ने महिला विंग की सराहना की। अध्यक्ष श्रीपाल खिवेसरा ने कहा कि कार

ड्राइविंग का यह प्रशिक्षण महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ाने में सहायक बनेगा। कार्यकारी अध्यक्ष अशोक गुगलिया, उपाध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने महिला विंग को बधाई दी। महामंत्री हंसराज मुणोत ने कविता के माध्यम से देश के सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस मौके पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। समारोह में यूथ विंग अध्यक्ष मनीष बोहरा, सचिव महावीर गुंदेचा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। सचिव पूजा गुगलिया ने संचालन किया। आयोजन संयोजक सीमा गुगलिया और शीतल गाँधी ने समाज की महिलाओं को ‘शी ड्राइव्स’ अभियान में भाग लेने का आह्वान किया। अध्यक्षा प्रियका कोटरिया ने धन्यवाद दिया।

भाजपा ने शिकारियों की मौत की जांच के लिए तथ्यात्वेषी दल बनाया

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कार्नाटक इकाई ने वन अधिकारियों द्वारा की गई गोलीबारी की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए मंगलवार को एक तथ्यात्वेषी दल का गठन किया। इस गोलीबारी में 15 अगस्त को हनूर वन्यजीव क्षेत्र में शिकार कर रहे तीन सिंधिय लोगों की मौत

हो गई थी। पार्टी ने बताया कि इस तथ्यात्वेषी दल में प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एन महेश, प्रदेश सचिव लक्ष्मी अश्विन गौड़ा, पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल थॉमस, पूर्व विधायक सी एस निरंजन कुमार और पार्टी नेता हनूर वेंकटेश शामिल हैं।



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मातृछाया

बेंगलूरु की जैन महिला संगठन ‘मातृछाया’ की सदस्ययाओं ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ध्वजारोहण किया। अध्यक्ष ललिता नागोरी, सचिव रेशमा बड़ोला, उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना, वरिष्ठ सदस्य पुष्पाबाई बोहरा, उर्मिला सोलंकी, पुष्पाबाई वृत्तर, उमाबाई जैन, प्रयोजक त्रिशला दांतेवाडिया, कांताबाई समदडिया ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर पहचान प्रदर्शनी के सभी स्टॉल वालों को धन्यवाद दिया गया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी व सह संयोजिका मोनिका पालेरचा ने अपने विचार व्यक्त किए।



एमआई बेंगलूरु सेंटर की बैठक में विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महावीर इंटरनेशनल (एमआई) सेंटर की प्रबंध समिति की पहली बैठक चैयरमैन रमेश दक एवं अध्यक्ष सुशील तलेसरा के नेतृत्व में की गई। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना एवं सेवा गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई। संस्था के दृष्टिकोण,

उद्देश्यों एवं विभिन्न मानवसेवा गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।साथ ही आगामी योजनाओं तथा ई-चौपाल पहल के बारे में बताया गया। सदस्यों ने सदस्यता अभियान को गति देने व सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। रमेश दक ने कहा कि सेंटर सेवा एवं मानव कल्याण के अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए रवास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक कल्याण, पर्यावरण संरक्षण एवं

मानवीय सेवा के क्षेत्रों में निरंतर कार्य करता रहेगा। सुशील तलेसरा ने सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी एवं रचनात्मक सुझावों की सराहना की। इस बैठक में सलाहकार अशोक भंडारी व एमसी बलदोटा, मुख्य सचिव सुरेश लखाना, कोषाध्यक्ष राजेश श्रीश्रीमाल, उपाध्यक्ष पद्म भुरट व दिनेश लोढा, सहमंत्री आशिक पिराल, सहकोषाध्यक्ष शिव शर्मा आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दीक्षा केवल बाहरी रूप परिवर्तन नहीं, बल्कि आत्मा की ओर लौटने का संकल्प है : संतश्री वीरमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली में मुनिश्री वीरसागर जी ने अपने दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में विशेष प्रवचन देते हुए श्रद्धालुओं को दीक्षा के वास्तविक स्वरूप, आत्मसंयम, त्याग, अपरिग्रह, अहिंसा और आत्मशुद्धि के मार्ग के बारे में प्रभावी ज्ञान दिया। मुनि श्री ने कहा कि दीक्षा केवल बाहरी रूप परिवर्तन नहीं, बल्कि आत्मा की ओर लौटने का संकल्प है। इसका वास्तविक अर्थ मोह, ममता,



अपनी इच्छाओं और अपेक्षाओं पर नियंत्रण प्राप्त करता है, तापी उसके जीवन में वास्तविक शांति का प्राप्भ होता है।

मुनिश्री ने कहा कि दीक्षा के आदर्श केवल साधु-संतों तक सीमित नहीं हैं। गृहस्थ भी संयम, त्याग, आत्मनिरीक्षण और अपरिग्रह को अपने जीवन में अपनाकर आध्यात्मिक उन्नति कर सकते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता, भौतिक सुविधाओं, तकनीक और बढ़ती इच्छाओं के बीच प्रतिदिन कुछ समय आत्मचिंतन, स्वाध्याय, प्रार्थना और धार्मिक साधना के लिए निकालना आवश्यक है।

दूसरे को स्वावलंबी व भयमुक्त करना सबसे महान दान : संतश्री कमलेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानकयासी जैन संघ हल्वदेरी के तत्वावधान में विराजित कमल मुनिजी कमलेश ने स्थानक भवन में अपने प्रवचन में कहा कि किसी को दान देने के बजाय स्वावलंबी बनाकर उसके स्वाभिमान की रक्षा करना, भयमुक्त करना सबसे महान दान है।

जिस व्यक्ति को जिस समय जिस वस्तु की आवश्यकता हो उसकी निरवार्थ और निष्काम भाव से पूर्ति करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। व्यक्ति की सहायता करते समय दाएं



हाथ से दिया हुआ बाएं हाथ को भी मालुम नहीं होना चाहिए। वस्त्र, मकान, पानी, विद्या, औषध इन सबसे बढ़कर है अभय दान।

एक जीव को मारने से बचाने का प्रयास करना तीन लोक की संपत्ति के दान से बढ़कर है। दान लेने वाले के ऊपर एहसान

जताना, घी को मिट्टी में डालने के समान है। उस अहंकार से नए कर्मों का ज्यादा बंधन होता है। दान देने से धन की कभी कमी नहीं आती है। सभी धर्म के महापुरुषों संतों ने एक स्वर में दान की महिमा पर प्रकाश डाला है। दान देते वक्त स्वार्थ का समावेश नहीं होना चाहिए।

आज कलश यात्रा से शुरू होगी आठ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मातेश्वरी भक्त मंडल ट्रस्ट, श्रीकृष्णा गौसेवा आश्रम गौशाला के तत्वावधान में आज से 27 अगस्त तक संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन मेटाग्रहली मैन रोड, बिदराहल्ली स्थित गौशाला परिसर में किया जा रहा है। इस कथा के उपलक्ष्य में बुधवार को दोपहर 12.15 बजे कलश यात्रा तथा अपराह्न में 3.15 बजे से कथा का आयोजन किया गया है।

कथा वाचक किशोरचन्द्रजी रामायणी अपने मुखारविंद से राम कथा का श्रवण



सुप्रसिद्ध भजन गायक ओम मुंडेल भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस कथा में स्वामी पुष्करदासजी व गुंदोज पाली के पंचमुखी गौशाला के रामाज्ञादासजी महाराज सांनिध्य प्रदान करेंगे।

जीवन का सच्चा सुख त्याग में है : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकयासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि जीवन का सच्चा सुख त्याग में है, भोग में नहीं। वस्तु पर से ममत्व भाव हटाना यह त्याग है और उस वस्तु की चाहना, ममत्व, ममता रखना यह आसक्ति रूप है। वस्तु की चाहन ही रखकर समभाव, उदासीनता रूप आवश्यकता के रूप में उसे ग्रहण करना यह त्याग के साथ वैराग्य भाव को बढ़ाने वाला है, क्योंकि वैराग्य

भाव से ही आत्मा संसार के भौतिक, नाशवान अनित्य क्षणभंगुर,क्षणिक सुख देने वाले इन पुद्गल पदार्थों से आसक्ति भाव कम करके ,उन इच्छाओं से विरक्त होते हुए अपने आत्मा का स्व कल्याण कर सकते हैं। प्रांर्र में साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने आगम वाणी श्री आचारंग सूत्र पर कहा कि इसका एक –एक सूत्र कल्याणकारी और मंगलकारी है, जो हमारे जीवन की दशा को बदल सकता है और हमारी आत्मा संसार के कर्म बंधनों से मुक्त होकर वीतरागता की ओर आगे कदम बढ़ा सकती है।